'बुंदेलखंड क्षेत्र में मूंगफली उत्पादन में बाधायें और उनका प्रबंधनः चुनौतियां और अवसर' विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

दि. 05 अगस्त 2021 कृषि विज्ञान केन्द्र झांसी द्वारा 'बुंदेलखंड क्षेत्र में मूंगफली उत्पादन में बाधायें और उनका प्रबंधनः चुनौतियां और अवसर' विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया।

वेबिनार में डा. अतर सिंह, निदेशक भाकृअनुप-अटारी कानपुर द्वारा उ.प्र. में मूंगफली उत्पादन में अटारी व केवीके की भूमिका विषय पर विस्तृत प्रस्तुतिकरण दिया गया। उन्होंने बताया कि भाकृअनुप-अटारी कानपुर की भूमिका तिलहन में विशेषकर मूंगफली के बारे में कार्य योजना बनाना, एवं केवीके के माध्यम से चल रही परियोजनओं का मूल्यांकन करना है। परियोजनाओं के लिये शत प्रतिशत वित्तीय सहयोग भाकृअनुप के माध्यम से विश्वविद्यालयों तक पहुँचता है। कृषि विज्ञान केन्द्रों के प्रमुख कार्यों में भाकृअनुप, केन्द्र एवं राज्य सरकार की कृषि से जुड़ी विभिन्न परियोजनाओं का कार्यान्वयन करना, मूंगफली फसल के प्रक्षेत्र परीक्षण लगाना, मूंगफली के प्रथमपंक्ति प्रदर्शन किसानों के खेतों पर लगाके नई तकनीक पहुँचाना, पैकेज आफ प्रैक्टिसिस, किसानों, ग्रामीण युवाओं एवं महिलाओं को विभन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान करके उनकी क्षमता विकसित करना, किसानों तक विभिन्न कृषि सलाह पहुँचाना तथा नई वैज्ञानिक शोधों, प्रजातियों, नवाचारों, उन्नत तकनीकियों आदि की जानकारी किसानों तक पहुँचाना हैं। डा. सिंह ने बताया कि मूंगफली की फसल को बढ़ावा देने में अटारी की महत्वपूर्ण भूमिका है क्योंकि अटारी के माध्यम से एक कृषि विज्ञान केन्द्र से प्रारम्भ करके अब 29 केन्द्रों द्वारा मूंगफली प्रदर्शन किये जाते हैं जिनकी की मानीटरिंग अटारी द्वारा की जाती है एवं से केवीके से प्रगति आख्या एकत्र की जाती है और उनका संकलन करके भारत सरकार को भेजा जाता है, साथ ही वैज्ञानिक सलाहार समिति की समीक्षा कार्यशालायें आयोजित करके केवीके द्वारा किये गये कार्य का आकलन भी किया जाता है। मूंगफली के प्रमुख उत्पादक राज्यों में म.प्र., राजस्थान, उड़ीसा, कर्नाटक, गुजरात, तमिलनाडु व महाराष्ट्र के साथ ही उत्तर प्रदेश भी शामिल है। भारत में उत्पादित मूंगफली विभिन्न देशों को भी निर्यात किया जाता हैं जिनमें वियतनाम, इण्डोनेशिया, चीन, फिलीपीन व मलेशिया प्रमुख हैं। तिलहन में लगभग 22 प्रतिशत हिस्सा मूंगफली का है।

राष्ट्रीय वेबिनार में मुख्य अतिथि डा. यू.एस. गौतम, कुलपति, बांदा कृषि एवं प्रौ. विवि. बांदा एवं विशिष्ट अतिथि डा. अतर सिंह, डा. के.के पाल एवं डा. सुभाष चन्द्रा रहे। अन्य विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुतीकरण कर वैज्ञानिकों को लाभान्वित किया गया। वेबिनार का संचालनक डा. निशी राय, अध्यक्ष केवीके झांसी, ने किया। पूरे देश से वैज्ञानिक, शोधार्थी एवं किसान वेबिनार से जुड़े। अन्त में डा. आदेश कुमार ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

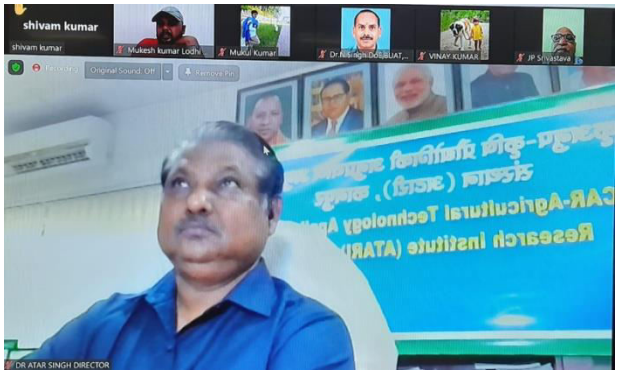

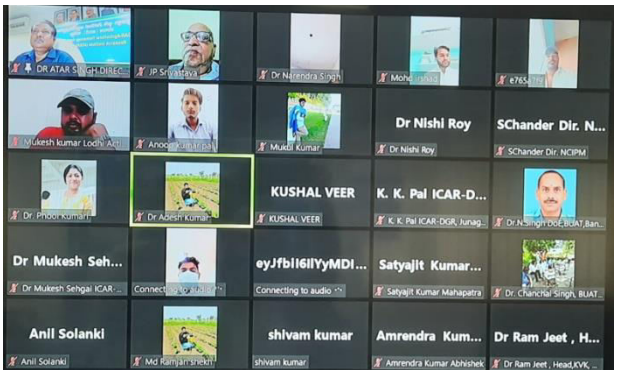

shivam kumar
Mukesh kumar Lodhi
Mukul Kumar
VINAY KUMAR
JP Srivastava
ICAR-Agricultural Technology Appli
Research Institute (ATARI
DR ATAR SINGH DIRECTOR

JP Srivastava
Dr Narendra Singh
Dr Nishi Roy
SChander Dir. N...
Mukul Kumar
KUSHAL VEER
K. K. Pal ICAR-D...
Dr Mukesh Seh...
eyJfbiI6IlYyMDI...
Connecting to audio
Satyajit Kumar...
Satyajit Kumar Mahapatra
Anil Solanki
shivam kumar
Amrendra Kum...
Amrendra Kumar Abhishek
Dr Ram Jeet , H...

भाकृअनुप-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान (अटारी), कानपुर
ICAR-Agricultural Technology Application Research Institute (ATARI), Kanpur
ICAR
ATARI
Zone-III, Kanpur
ISO 9001:2015